TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

जयंती विशेष

04 जनवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

ब्रेल ज्ञान है, और ज्ञान शक्ति है।

लुई ब्रेल

(ब्रेल लिपि के आविष्कारक)

जन्म: 04 जनवरी 1809 मृत्यु: - 06 जनवरी 1852

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

04 जनवरी

विक्रम संवत् 2081, पौष माह, शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, शनिवार 04 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"मनुष्य तब तक गलती करता है जब तक वह प्रयत्न करता है।"

–गोथे

"Man errs so long as he tries."

-Goethe

आज के दिन

1906– किंग जॉर्ज पंचम ने कलकत्ता (कोलकाता) के विक्टोरिया मेमोरियल हॉल की आधारशिला रखी थी।

1948– वर्मा (अब म्यांमार) ने ब्रिटेन से स्वतंत्रता की घोषणा की।

1962– न्युयार्क शहर में पहली स्वचालित (मानवरहित) मेट्रो रेल चली।

1972– नई दिल्ली में 'इंडियन इंस्टिट्युट ऑफ क्रिमिनोलॉजी एंड फॉरेंसिक साइंस' का उद्घाटन।

1994– मशहूर संगीतकार राहुल देव वर्मन का निधन

2010– दुबई में 824 मीटर ऊँची 168 मंजिलों वाली दुनिया की सबसे ऊँची इमारत बुर्ज खलीफा का उद्घाटन हुआ।

1. **अंतर्राष्ट्रीय ब्रेल दिवस–** ब्रेल एक स्पर्श लेखन प्रणाली है जो नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए सृजित की गई थी। ब्रेल लिपि के जनक लुई ब्रेल का जन्म 4 जनवरी, 1809 ई. को ही फ्रांस के छोटे से गांव कुप्रे में एक मध्यम वर्गीय परिवार में हुआ था। लुई ब्रेल फ्रांस के शिक्षाविद् तथा अन्वेषक थे। विश्वभर में 04 जनवरी, 2019 को प्रथम बार विश्व ब्रेल दिवस मनाया गया था।
   - संदर्भः पर्यावरण और हम भाग 3 और विज्ञान भाग 3 पृष्ठ 152 के पाठ 12 के संदर्भ में बच्चों को लुई ब्रेल के जीवनी के बारे में बतायें।

2. **आइजक न्यूटन का जन्म–** आइज़क न्यूटन का जन्म 4 जनवरी, 1643 ई. को वुल्सथोर्प, लिंकनशायर, इंग्लैंड में हुआ था। न्यूटन ने प्रकृति के अनेक अनजाने रहस्यों को पता लगाया। उन्होंने बताया कि सूर्य का सफेद दिखने वाला प्रकाश वास्तव में सात रंगों से बना है। इन सात रंगों को प्रिज़्म की सहायता से अलग किया जा सकता है। न्यूटन ने गति के तीन नियम प्रतिपादित किये। उन्होंने गणित में कैलकुलस की नींव डाली। वे एक दार्शनिक भी थे। उन्होंने अपने जीवनकाल में कई पुस्तकें लिखी।
   - संदर्भः विज्ञान भाग 1 से 3 के कुछ अध्यायों से जोड़कर बच्चों को बतायें।

सुरक्षित शनिवारः शीतलहर

- सामान्यतः यदि तापमान 7°C से कम हो जाए तो इस शीतलहर की स्थिति माना जाता है।
- शीत लहर से बच्चे और वृद्ध के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

शीतलहर या ठंढ लगने पर व्यक्ति में निम्न लक्षण उत्पन्न होते हैं–

- शरीर का ठंढा होना एवं अंगों का सुन्न पड़ना।
- अत्याधिक कंपकपी या ठिठुरन होना।
- बार–बार जी मिचलाना या उल्टी होना।
- कभी–कभी अर्द्धबेहोशी की स्थिति अथवा बेहोश होना।

DIWAS GYAN

शीतलहर या ठंढ से बचने के उपाय

- अनावश्यक घर से बाहर न जायें और यथासम्भव घर के अंदर सुरक्षित रहें।
- यदि घर से निकलना जरूरी हो तो समुचित ऊनी एवं गर्म कपड़े पहनकर ही निकलें। बाहर निकलते समय अपने सिर, चेहरे, हाथ एवं पैर को भी उपयुक्त गर्म कपड़े से ढँक लें।
- समाचार पत्र, रेडियो, टेलीविजन के माध्यम से मौसम की जानकारी लेते रहें।
- शरीर में उष्मा का प्रवाह बनाये रखने के लिए पौष्टिक आहार एवं गर्म पेय पदार्थ का सेवन करें।
- बन्द कमरों में जलती हुई लालटेन, दीया, कोयले की अंगीठी का प्रयोग करते समय धुएँ के निकास का उचित प्रबंध करें। प्रयोग के बाद इन्हे अच्छी तरह से बुझा दें।
- हीटर, ब्लोअर आदि का प्रयोग करने के बाद स्विच ऑफ करना न भूलें अन्यथा यह जानलेवा हो सकता है।
- राज्य सरकार शीतलहर के समय रात्रि में सार्वजनिक स्थानों पर अलाव की व्यवस्था करती है, जिसका लाभ उठा कर शीतलहर से बचा जा सकता है।
- उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह के मरीज तथा हृदय के रोगी चिकित्सक की सलाह जरूर लेते रहें तथा सामान्यता धूप उगने पर ही घर से बाहर निकलें।
- विशेष परिस्थिति में नजदीकी सरकारी अस्पताल से अविलम्ब चिकित्सा परामर्श लें।

Bagless Saturday Activity : मैं हूँ वैज्ञानिक (थीम)

आज बच्चों को भारत के प्रसिद्ध वैज्ञानिकों के बारे में बतायें। विज्ञान प्रदर्श (Science Model) बनाने के लिए प्रेरित करें। विज्ञान आधारित वीडियो/फिल्म दिखायें। विज्ञान से संबंधित प्रश्नोत्तरी को भी आयोजन किया जा सकता है।

Teachers of Bihar
The change makers

दिवस विशेष 4जनवरी

मधु प्रिया

अंतरराष्ट्रीय ब्रेल दिवस 4 जनवरी

अंतरराष्ट्रीय ब्रेल दिवस को संचार के साधन के रूप में ब्रेल के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने हेतु मनाया जाता है। विश्वभर में 04 जनवरी 2019 को पहला अंतरराष्ट्रीय ब्रेल दिवस मनाया गया था। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने विश्व ब्रेल दिवस के लिए 06 नवम्बर 2018 को प्रस्ताव पारित किया था। ब्रेल लिपि एक तरह की लिपि है, जिसको विश्व भर में नेत्रहीनों को पढ़ने और लिखने में छूकर व्यवहार में लाया जाता है। इस पद्धति का आविष्कार 1821 में एक नेत्रहीन फ्रांसीसी लेखक लुई ब्रेल ने किया था। यह अलग-अलग अक्षरों, संख्याओं और विराम चिन्हों को दर्शाते हैं। ब्रेल के नेत्रहीन होने पर उनके पिता ने उन्हें पेरिस के रॉयल नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर ब्लाइंड चिल्ड्रेन में भर्ती करवा दिया। उस स्कूल में "वेलन्टीन होउ" द्वारा बनाई गई लिपि से पढ़ाई होती थी, पर यह लिपि अधूरी थी। इस विद्यालय में एक बार फ्रांस की सेना के एक अधिकारी कैप्टन चार्ल्स बार्बियर एक प्रशिक्षण के लिये आए और उन्होंने सैनिकों द्वारा अँधेरे में पढ़ी जाने वाली "नाइट राइटिंग" या "सोनोग्राफी" लिपि के बारे में व्याख्यान दिया। यह लिपि कागज पर अक्षरों को उभारकर बनाई जाती थी और इसमें 12 बिंदुओं को 6-6 की दो पंक्तियों को रखा जाता था, पर इसमें विराम चिह्न, संख्या, गणितीय चिह्न आदि नहीं होते थे। ब्रेल को वहीम से यह विचार आया। लुई ने इसी लिपि पर आधारित किन्तु 12 के स्थान पर 6 बिंदुओं के उपयोग से 64 अक्षर और चिह्न वाली लिपि बनायी। उसमें न केवल विराम चिह्न बल्कि गणितीय चिह्न और संगीत के नोटेशन भी लिखे जा सकते थे। यही लिपि आज सर्वमान्य है। लुई ने जब यह लिपि बनाई तब वे मात्र 15 वर्ष के थे। सन् 1824 में पूर्ण हुई यह लिपि दुनिया के लगभग सभी देशों में उपयोग में लाई जाती है। text

जयंती विशेष 04 जनवरी

राकेश कुमार

4 जनवरी

नेत्रहीन लोगों की पढ़ने-लिखने में
मदद करने वाली 'ब्रेल लिपि' के आविष्कारक

लुई ब्रेल जी

की जयंती पर उन्हें शत् शत् नमन।

ब्रेल लिपि दृष्टिहीन लोगों के लिए शिक्षा, लिखित संचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अहम साधन है।

लुई ब्रेल (जन्म- 4 जनवरी 1809 मृत्यु- 6 जनवरी 1852) फ्रांस के शिक्षाविद तथा अन्वेषक थे जिन्होने नेत्रहीनों के लिये लिखने तथा पढ़ने की प्रणाली विकसित की। यह पद्धति 'ब्रेल' नाम से जगप्रसिद्ध है। फ्रांस में जन्मे लुई ब्रेल नेत्रहीनों के लिए ज्ञान के चक्षु बन गए। ब्रेल लिपि के निर्माण से नेत्रहीनों की पढ़ने की कठिनाई को मिटाने वाले लुई स्वयं भी नेत्रहीन थे।

दिवस प्रेरणा 4

लुई ब्रेल

(ब्रेल लिपि के अविष्कारक)

बचपन में ही आँख खो दिया ...

संघर्ष

तीन वर्ष की उम्र में एक दिन काठी के लिए लकड़ी काटते समय इस्तेमाल किया जाने वाला लोहे का एक सूजा लुई ब्रेल की आँखों में घुस गया। उनके आँख से खून बहने लगा। परिवार ने उनकी चोट को साधारण समझ कर उसकी पट्टी कर दी। कुछ दिनों बाद लुई ब्रेल की अपनी दूसरी आँख से भी कम दिखाई देने की शिकायत की परन्तु उसके पिता ने आर्थिक अभाव और लापरवाही के कारण अनदेखा कर दिया। इस वजह से मात्र आठ वर्ष की उम्र मे लुई ब्रेल पूरी तरह से दृष्टिविहीन हो गए।

सफलता

लुई ब्रेल की दुनिया में पूरी तरह से अँधेरा छा जाना, उनके लिए एक बड़ा आघात था। लेकिन आठ साल के बालक लुई ने इससे हारने के बजाय इसे चुनौती के रूप मे लिया। 1829 में लुई ब्रेल छह बिन्दुओं पर आधारित ब्रेल लिपि बनाने में सफल हुए। लेकिन तत्कालिन शिक्षाशास्त्रीयों ने इसे मान्यता नहीं दिया। लुई ब्रेल ने हार नहीं मानी और पादरी बैलेन्टाइन की मदद से अपनी अविष्कार की गयी लिपि को दृष्टिहीन व्यक्तियों के मध्य लगातार प्रचारित करते रहे। उनकी बनायी हुई लिपि अब सारे दृष्टिहीनों को पढ़ने में मदद करती है।

संकलन : शशिधर उज्ज्वल.
प्रस्तुतिः टीचर्स ऑफ बिहार.
ई मेल– ujjawal.shashidhar007@gmail.com
contact us : teachersofbihar@gmail.com

Teachers of Bihar
The Change Makers

राकेश कुमार

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 04.01.2025

विश्व ब्रेल दिवस

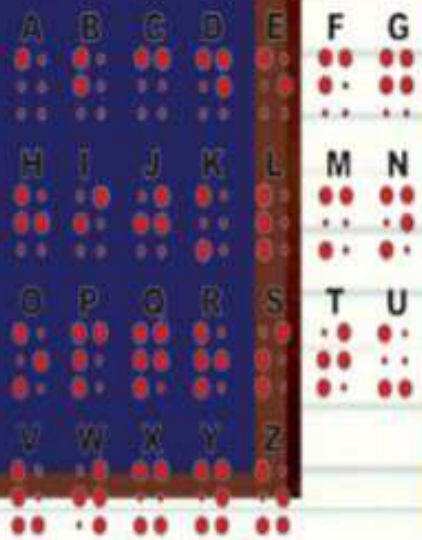

विश्व ब्रेल दिवस हर साल 4 जनवरी को मनाया जाता है. इसकी शुरुआत संयुक्त राष्ट्र महासभा ने की थी. यह दिन ब्रेल लिपि के आविष्कारक लुई ब्रेल के जन्मदिन के मौके पर मनाया जाता है. लुई ब्रेल का जन्म 1809 में फ़्रांस में हुआ था. ब्रेल लिपि, आंखों से देख न पाने वाले लोगों के लिए लिखने-पढ़ने का एक ज़रूरी माध्यम है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

दुनिया का सबसे ताकतवर पासपोर्ट सिंगापुर का है, जिससे आप 195 देशों में बिना वीजा के यात्रा कर सकते हैं।

टेस्ट में हार के बावजूद बुमराह-रेड्डी का मेलबर्न में सम्मान: MCG ग्राउंड के ऑनर्स बोर्ड में शामिल; इस पर गावस्कर-सचिन-विराट के भी नाम

क्या है ऑनर्स बोर्ड?

किसी भी मैदान पर यादगार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को ऑनर्स बोर्ड में शामिल किया जाता है, ताकि उनके प्रदर्शन को लंबे समय तक याद रखा जा सके। आमतौर पर मैदान पर शतक जमाने वाले बैटर्स और पारी में 5 विकेट या फिर 10 विकेट लेने वाले गेंदबाजों को इसमें जगह मिलती है।

नीतीश रेड्डी MCG के ऑनर्स बोर्ड में जगह बनाने वाले 11वें भारतीय बल्लेबाज है, जबकि बुमराह छठे गेंदबाज हैं।

TOB बूझो तो जानें..

472

छूने में शीतल, सूरत में लुभानी, रात में मोती, और दिन में पानी... बुझो तो जानें ?

www.teachersofbihar.org

संजय कुमार

QUIZ TIME

Today's Quiz

Quiz Number 488

मूसी किस राज्य की एक प्रमुख नदी हैं?

A. कर्नाटक

B. तेलंगाना

C. नागालैंड

D. महाराष्ट्र

www.teachersofbihar.org

सही उत्तर: B

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

सर आइजैक न्यूटन

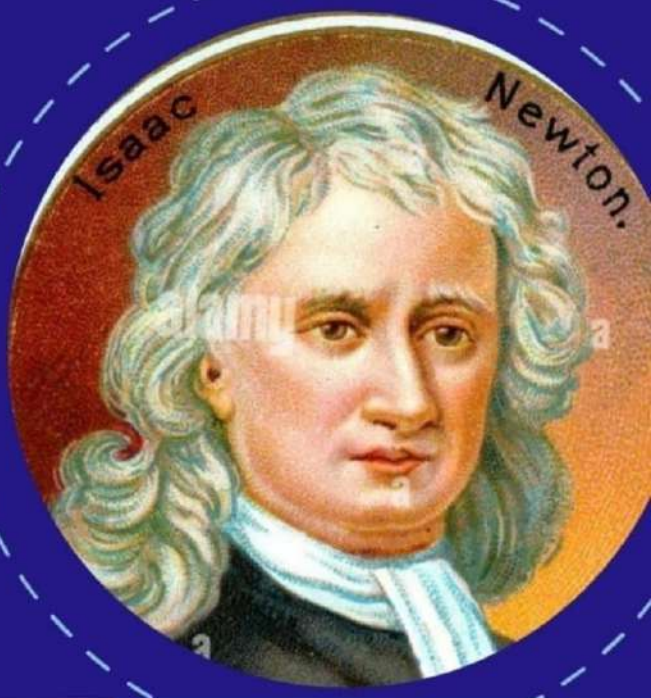

जन्म - 4 जनवरी 1643

मृत्यु - 31 मार्च 1727

Madhu priya

/teachersofbihar

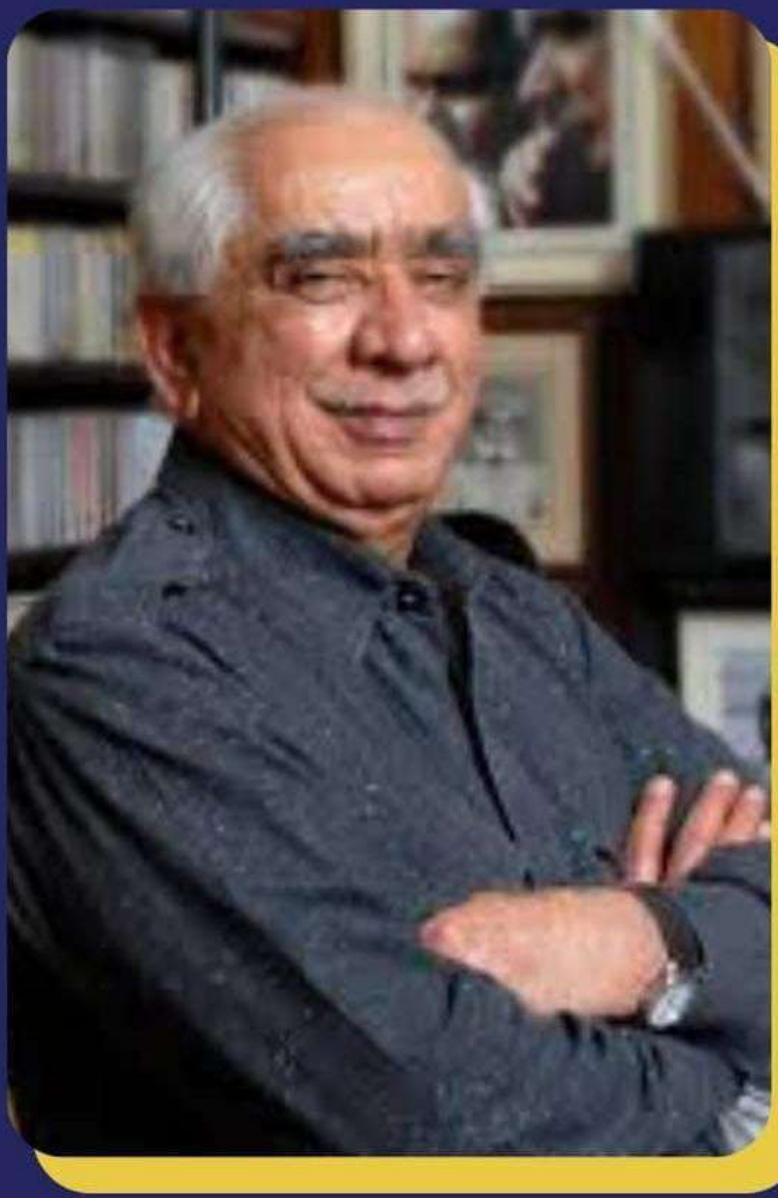

भारतीय राजनीतिज्ञ तथा
सेवानिवृत्त सेना अधिकारी

यशवन्त सिंह

की जयंती पर नमन।

3 जनवरी 1938-27 सितम्बर 2020

www . teachersofbihar.org

Madhu priya

4 जनवरी

ब्रेल लिपि के आविष्कारक

लुई ब्रेल

की जयंती पर सादर नमन

4 जनवरी 1809 - 6 जनवरी 1852

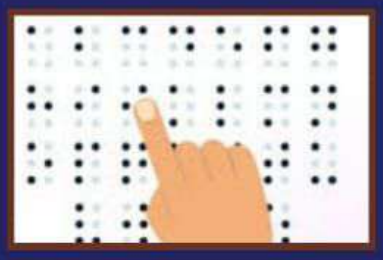

www.teachersofbihar.org

पुनीता कुमारी